

gefüllter Kuchen BHĀVAPR. im ÇKDR.

डुग्धतालीय (डुग्ध + ताल?) n. *Milchschaum*, = डुग्धफेन, तीरफेन H. an. 3, 37. MED. j. 132. *Rahm*, = डुग्धाम् H. an. = डुग्धाम् MED. *milk and mangoes, mango fool* WILS.

डुग्धदा (डुग्ध + दा von 1. द) adj. f. *milchgebend*, von einer Kuh PĀN-  
ŚAT. Pr. 5.

डुग्धपाचन (डुग्ध + पाच) n. *eine Art Salz* (वज्रक) HĀR. 220. ÇKDR. und WILS. nach ders. Aut. und nach der Elym. *ein Geschirr zum Kochen von Milch*, welche Bed. aber वज्रक nicht hat.

डुग्धपाषाण (डुग्ध *Milch* + पाष) m. *eine best. Pflanze*, = पाषाणक, डुग्धाम्, डुग्धी (डुग्धिन?), तीरक्षव, तीरिन्, गोमेधसन्निभ, दीप्तिक, वज्रा-  
भ RĀGĀN. im ÇKDR.

डुग्धपुच्छी (डुग्ध *Milch* + पुच्छ) f. *eine best. Pflanze*, = निशा, भङ्गा, सेवकाल, vulg. डुग्धपेया ÇABDAĀ. im ÇKDR.

डुग्धफेन (डुग्ध + फेन) 1) m. *Milchschaum* H. an. 3, 37. RĀGĀN. im ÇKDR. — 2) f. ई *ein best. kleiner Strauch*, = गोत्रापणी, पयःफेनी, प-  
यस्विनी, फेनडुग्धा, लूतारि RĀGĀN. im ÇKDR.

डुग्धबन्धक (डुग्ध *das Melken* + बन्ध) wohl der Pfosten, an den eine  
zu melkende Kuh angebunden wird, H. 1270.

डुग्धवीजा (डुग्ध *Milch* + वीज) f. *ein best. Reisgericht mit Milch*  
RĀGĀN. im ÇKDR.

डुग्धसमुद्र (डुग्ध + समुद्र) m. *das* (mythische) *Milchmeer* TRIK. 2, 1, 5.

डुग्धान्त (डुग्ध + अन्त) m. *eine best. Steinart* (milchweisse Augen ha-  
bend) ÇABDĀRTHAK. im ÇKDR.

डुग्धाय (डुग्ध + अय) n. *das Obere der Milch, Rahm* H. an. 3, 37.

डुग्धाब्धि (डुग्ध + अब्धि) m. *das* (mythische) *Milchmeer*; °तनया  
die Tochter des M., Bein. der Lakshmi KAVIKALPALATĀ im ÇKDR.

डुग्धाम्बुधि (डुग्ध + अम्बुधि) m. *das* (mythische) *Milchmeer* PRAB. 81, 14.

डुग्धाम्बु (डुग्ध + अम्बु) s. u. डुग्धतालीय.

डुग्धाम्बु (डुग्ध + अम्बु) m. = डुग्धपाषाण RĀGĀN. im ÇKDR.

डुग्धिका (von डुग्ध *Milch*) f. *eine Art Asclepias*, = तीरावी AK. 2.  
4, 2, 18. *eine andere Pflanze*, = उत्तमा H. an. 3, 462. MED. n. 40. RAT-  
NAM. im ÇKDR.

डुग्धिन् (wie eben) adj. *Milch enthaltend*; s. u. डुग्ध 2.

डुग्धिनिका (von डुग्धिनो und dieses f. zu डुग्धिन्) f. *eine best. Pflanze*.  
= रक्षापामार्ग RĀGĀN. im ÇKDR.

डुग्ध (von डुक् 1) adj. (f. आ) am Ende eines comp. *milchend, gewäh-  
rend* P. 3, 2, 70. गो च धर्मडुग्धाम् BHĀG. P. 1, 17, 3. धर्मडुग्धा भूमिः सर्वका-  
मडुग्धा 4. 19, 7. मनोनयनाह्लादुग्धैर्गतिविकारविनयावलोकमुस्वराक्षराव-  
यवैः 5, 2, 6. — 2) f. आ *Milchkuh*: इन्द्रो वल्लो रत्नितारु डुग्धानां वि चक्रत  
RV. 10, 67, 6. VĀLAKH. 2, 3. VS. 28. 16. 39. धर्मार्थडुग्धा = वेदसंहिता BHĀG.  
P. 4, 6, 44. — Vgl. काम°, धर्म°, द्रोण°, भाग°, प्रक्र°, सबडु°, सु°.

डुक्क m. 1) *eine Art Parfum*, = गन्धकुरी. — 2) = विकाराद्यवका-  
शक(?) MED. k. 104.

डुक्कुना f. *Unheil, Unglück*; häufig personif. *unheilbringendes Wesen*,  
Unholdin RV. 1, 116, 21. मा नो अग्रे ऽव मृतो अयायविष्ये र्पिवे डुक्कु-  
नीये 189, 5. स्वा तं मेर्तु डुक्कुना करस्वती 2, 23, 6. 32, 2. 5, 43, 5. वेषि  
रूपो वि यासि डुक्कुनाः 6, 12, 6. 47, 30. 8, 20, 4. 64, 18. 9, 66, 19. 10, 175, 2.

III. Theil

AV. 5, 17, 4. ब्रह्माणं पत्रं हिंसन्ति तद्वाङ्मं कृत्ति डुक्कुना 19, 8. 10, 1, 24.  
12, 1, 49. VS. 19, 38. Wohl zusammenges. aus 2. डुक् + कुन; vgl. अ°.

डुक्कुनाय (vom vorherg.), डुक्कुनायते Jmd Leid zufügen wollen: कि-  
मस्मान् डुक्कुनायसे RV. 7, 38, 3. अरावा यो नो अग्निं डुक्कुनायते 10, 37, 12.

डुडि f. = डुलि *eine kleine Schildkröte* RĀJAM. zu AK. 1, 2, 24. ÇKDR.

डुडुक adj. *bösgesinnt* ÇABDĀRTHAK. im ÇKDR.

डुडुम m. = डुडुम *eine Eidechsenart ohne Füße* UNĀDIK. im ÇKDR.  
COLBR. und LOIS. zu AK. 1, 2, 4, 6. H. 1305. lebt im Wasser: (नदीम्)  
प्रासशक्त्यष्टिडुडुमाम् MBu. 7, 6905. — Vgl. डुन्डुम.

डुडुमि m. oder f. *ein best. giftiges Thier* SUÇA. 1, 10, 12. डुडुमि (sic)  
oder डुन्डुमि (डुन्डुमि nicht zu unterscheiden von डुन्डुमि in den Hand-  
schrr.) *eine best. Schlangenart* VARĀH. BH. S. 53, 17. — Vgl. डुडुम,  
डुन्डुम, डुन्डुमिक.

डुत्थोत्थदवीर in der Astrol. N. des 15ten Joga Ind. St. 2, 272.

डुद m. N. pr. eines Gebirges MBu. 13, 7658.

डुदरु (wohl von डुक्) m. N. pr. eines Fürsten. des Vaters von Pra-  
ketas HARIV. 1841. verschiedene PURA. VP. 443, N. 5.

डुदुम m. *eine grüne Zwiebel* AK. 2, 4, 5, 13. — Wohl aus डुदुम ent-  
standen.

डुधि adj. *ungestüm, stürmisch, wild*: स्पृमगुभे डुधये ऽवते च क्रतुं वृ-  
क्षत्पयिषे वृक्षत्पये RV. 6, 36, 2. डुधैर्पुक्तस्य इवतः सक्तानसा 10, 102, 6. —  
Viell. von धूः vgl. डुधित, डुध.

डुधित adj. *trübe, verworren, turbidus*: तमस् RV. 4, 1, 17. 16, 5. 2, 17,  
4. — Eine Weiterbildung von डुधि, wie कुरित von कुरि.

डुधुनु (vom desid. von डुक्) adj. *zu melken beabsichtigend* MBu.  
7, 2409.

डुधै adj. = डुधि: येन शुद्धं मायिनमायसो मेदे डुध आभूषं रामयति दा-  
मानं RV. 1, 36, 3. 6, 22, 4. यः सुन्वते पचते डुध आ चिह्नान् दर्दपि 2, 12, 15.  
असौ डुधो गौरिव भीमपुः 5, 86, 3. न यं डुधा वरते न स्थिरा मुरो मेदे  
8, 33, 2.

डुधकैत् (डु° + कृ°) adj. *aufgeregt machend, aufregend*: von den Ma-  
rut RV. 1, 64, 11.

डुधवाच (डु° + वा°) adj. *aufgeregt —, verworren redend*: सोममोदे  
विर्धे डुधवाचः RV. 7, 21, 2.

डुन्डुम = डुन्डुमि Trommel ÇABDAR. im ÇKDR.

डुन्डु m. 1) = डुन्डुमि Trommel ÇABDAR. im ÇKDR. — 2) Bein. Va-  
sudeva's, des Vaters von Kṛṣṇa, TRIK. 1, 1, 33. H. 223; vgl. आन-  
कडुन्डुमि.

डुन्डुम m. 1) *eine ungiftige Wasserschlange* nach ŚĪJ. zu AT. Br. 3,  
26; vgl. डुडुम, डुडुमि. — 2) Bein. Çiva's ÇIV. — 3) pl. N. einer Schule  
Ind. St. 3, 238. MÜLLER, SL. 370. — 4) = डुन्डुमि Trommel in dem künst-  
lich gebildeten अनाक°.

डुन्डुमि 1) m. *Pauke, Trommel* (wohl onomatop.) NĪR. 9, 12. AK. 1,  
1, 3, 6. 3, 4, 22, 138. TRIK. 3, 5, 6 (lies: आनको डुन्डुमि:). H. 293. an. 3, 456.  
MED. bh. 16. 17. RV. 6, 47, 29. 31. (वद) त्रयतामिव डुन्डुमिः 4, 28, 5. AV.  
5, 20, 1. fgg. 21, 7. 31, 7. 12, 1, 41. डुन्डुमीत्समावृत्ति TBa. 1, 3, 2. ÇAT.  
Br. 5, 1, 5, 6. ĀÇV. GRHJ. 3. 12. ÇĀNKB. ÇR. 12, 18, 16. डुन्डु-याघात ÇAT. Br.  
14, 5, 4, 6. डुन्डुमिश्च तदा दिव्यस्ताडितो देवकिंवरैः MBu. 13, 926. 14,

42\*